



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

2 भाद्र 1944 (श0)

(सं0 पटना 619) पटना, बुधवार, 24 अगस्त 2022

गन्ना उद्योग विभाग

आदेश

11 अगस्त 2022

सं० 02/रेगु०-2-800-19/2020-1495—बिहार ईख (आपूर्ति एवं खरीद का विनियमन) अधिनियम-1981 की धारा-31(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, गिरिवर दयाल सिंह, ईखायुक्त, बिहार, पटना द्वारा पेराई सत्र 2022-23 से पेराई सत्र 2026-27 के लिए ईखापूर्ति हेतु गन्ना क्षेत्र के ग्रामों को मेसर्स **एच.पी.सी.एल. बायोफ्यूल्स लि०, लौरिया, प. चम्पारण** के साथ परम्परागत रूप में आरक्षण से संबंधित प्राप्त प्रस्ताव पर सभी संबंधित चीनी मिलों के प्रतिनिधियों, क्षेत्रीय ईख पदाधिकारियों, विभागीय पदाधिकारियों एवं अन्य संबंधितों के समक्ष दिनांक-10.08.2022 को सुनवाई की गई। विभागीय आदेश संख्या-1643 दिनांक-26.09.2017 के माध्यम से पूर्व में पेराई सत्र 2017-18 से 2021-22 तक के लिए इस चीनी मिल के लिए 28 ग्रामों का **परम्परागत** रूप से आरक्षित क्षेत्र गठित किया गया था। जिसे विभागीय आदेश संख्या-884 दिनांक-21.08.2020 के माध्यम से संशोधित कर योगापट्टी प्रखण्ड के 12 ग्रामों को बगहा चीनी मिल के पक्ष में आरक्षित कर दिया गया था। वर्तमान में 16 ग्राम ही लौरिया चीनी मिल के पक्ष में **परम्परागत** रूप से आरक्षित हैं।

अपने क्षेत्र आरक्षण के संबंध में लौरिया चीनी मिल के महाप्रबंधक, श्री जी. डी. सिंह द्वारा बताया गया कि उनके चीनी मिल के लिए 28 ग्रामों का परम्परागत रूप से आरक्षित क्षेत्र पूर्व से गठित था। विभागीय आदेश संख्या-884 दिनांक-21.08.2020 के माध्यम से संशोधित कर 12 ग्रामों को बगहा चीनी मिल के पक्ष में आरक्षित कर दिया गया था। वर्तमान में योगापट्टी प्रखण्ड के 16 ग्राम ही लौरिया चीनी मिल के पक्ष में **परम्परागत** रूप से आरक्षित हैं। उनके चीनी मिल की पेराई क्षमता 3500 TCD है। मिल के साथ एक 60 KLPD की डिस्टिलरी एवं 20 MW क्षमता का सह-विद्युत उत्पादन इकाई भी स्थापित है।

उन्होंने बताया कि पेराई सत्र 2022-23 के लिए उनके चीनी मिल का Normal Cane Requirement (NCR) 45.00 लाख क्विंटल निर्धारित हुआ है। उन्होंने अपने मिल की पेराई हेतु ईख की न्यूनतम आवश्यकता को पूरा करने के लिए पूर्व से आरक्षित होते आ रहे 16 ग्रामों को पुनः उनके पक्ष में परम्परागत रूप से आरक्षित करने तथा इसके अतिरिक्त उनको पूर्व में आरक्षित होते आ रहे 17 ग्रामों को आरक्षित करने हेतु अनुरोध किया।

बगहा चीनी मिल द्वारा किये गये 21 अतिरिक्त ग्रामों के आरक्षण पर आपत्ति जताते हुए लौरिया चीनी मिल के उप महाप्रबंधक (ईख) श्री जी. डी. सिंह द्वारा बताया गया कि उनके चीनी मिल को पेराई योग्य गन्ने की काफी कमी है। यदि उनके चीनी मिल के आरक्षित ग्रामों को किसी दूसरे चीनी मिल को आरक्षित किया जाता है तो उनके चीनी मिल को survive करना मुश्किल हो जायेगा।

सुनवाई के दौरान किसानों, उनके प्रतिनिधियों एवं जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सभी अभ्यावेदनों का अध्ययन किया गया। जिसमें योगापट्टी प्रखण्ड के अधिकांश किसानों द्वारा बगहा चीनी मिल के साथ एवं कुछ किसानों द्वारा लौरिया चीनी मिल के साथ संबद्ध करने का अनुरोध किया गया।

संयुक्त क्षेत्रीय विकास परिषद्, पश्चिम चम्पारण को विभागीय पत्रांक-1314 दिनांक-06.07.2022 एवं स्मार पत्र संख्या-1468 दिनांक-05.08.2022 के माध्यम से क्षेत्र आरक्षण के प्रस्ताव पर उनका मंतव्य उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया था, परन्तु उनकी अनुशंसा विभाग को अबतक अप्राप्त है।

क्षेत्र आरक्षण से संबंधित कार्यालय में संधारित अभिलेखों एवं मय नजरी नक्शा का भी अध्ययन किया गया। इस चीनी मिल द्वारा पेराई सत्र 2021-22 का शत-प्रतिशत ईख मूल्य भुगतान कर दिया गया है।

इस चीनी मिल के पेराई सत्र 2021-22 एवं पूर्व के पेराई सत्र के कार्यकलाप की समीक्षा करने से यह स्पष्ट होता है कि मिल प्रबंधन द्वारा मुख्यमंत्री गन्ना विकास कार्यक्रम अन्तर्गत ईख विकास योजनाओं का कार्यान्वयन नहीं किया गया एवं विकास कार्यक्रम की प्रगति नगण्य है। समय-समय पर विभागीय समीक्षा के दौरान बार-बार विकास कार्यों को करने का निदेश दिया गया, परन्तु मिल प्रबंधन द्वारा मुख्यमंत्री गन्ना विकास कार्यक्रम में रुचि नहीं ली गयी, जबकि यह योजना विभाग की फ्लेगशीप योजना है। इसमें किसानों को उत्तम गन्ने का बीज अनुदानित दर पर उपलब्ध कराया जाता है ताकि रोग रहित उत्तम कोटि का गन्ने का आच्छादन बढ़े एवं किसानों की आमदनी बढ़ सके। इस फ्लेगशीप योजना की समीक्षा विकास आयुक्त की अध्यक्षता में गठित बिहार विकास मिशन द्वारा की जाती है। इस उदासिनता से विभाग को समीक्षा के दौरान असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है। अतः दण्डस्वरूप इस चीनी मिल के आरक्षित क्षेत्र अंतर्गत योगापट्टी प्रखंड के पांच गावों को काटने का निर्णय लिया जाता है ताकि अन्य चीनी मिलों के द्वारा विभागीय फ्लेगशीप योजना के कार्यक्रमों में उदासिनता नहीं बरती जाय। इस चीनी मिल द्वारा मात्र एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन कराया गया है, शेष सभी अवयव में उपलब्धि शून्य है इस संबंध में दिनांक-27.05.2022 को सम्पन्न बैठक में अधोहस्ताक्षरी द्वारा लौरिया एवं सुगौली चीनी मिल का आरक्षित ग्रामों में से उनके क्षेत्र का 10 प्रतिशत ग्रामों को किसी दूसरे चीनी मिल को आरक्षित करने का निदेश दिया गया था।

सुनवाई के क्रम में मुख्य रूप से यह परिलक्षित हुआ कि इस चीनी मिल का औसत सप्लाई ईल्ड काफी कम है जिससे इस चीनी मिल के आरक्षित क्षेत्र के किसानों के लिए गन्ना फसल किसी भी प्रकार से लाभकारी प्रतीत नहीं होता है। आवश्यकता है कि इस मिल के लिए गठित किये जाने वाले आरक्षित क्षेत्र में मिल के सक्रिय एवं सार्थक सहयोग से सघन ईख विकास के कार्यक्रम चलाया जाय। वैसी स्थिति में ईख अधिनियम के प्रावधान के अन्तर्गत क्षेत्र आरक्षित किये जाने के उद्देश्य की पूर्ति हो जायेगी।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में संबंधित सभी पक्षों को सुनने के पश्चात् सम्यक विचारोपरान्त मेसर्स **एच.पी.सी.एल. बायोफ्यूल्स लि०, लौरिया, प. चम्पारण** के पक्ष में **पेराई सत्र 2022-23 से 2026-27 तक** (पाँच वर्ष) के लिए पश्चिम चम्पारण जिलान्तर्गत योगापट्टी प्रखण्ड के 11 ग्रामों को जिसका विस्तृत विवरण संलग्न **अनुसूची-“क”** में अंकित है, को **परम्परागत** रूप से आरक्षित किया जाता है।

पश्चिम चम्पारण जिलान्तर्गत योगापट्टी प्रखण्ड के शेष 5 ग्राम यथा रमपुरवा (352), बलुआ देव राय (353), बलुआ भवानी राय (354), बलुबा मुरत राय (355) एवं बलुआ नेवाज राय (356) को लौरिया चीनी मिल से काट कर मेसर्स तिरुपति सुगर मिल्स, बगहा के साथ **पेराई सत्र 2022-23 से 2026-27 तक** (पाँच वर्ष) के लिए **परम्परागत** रूप से आरक्षित किया जाता है।

योगापट्टी प्रखण्ड के उक्त 5 ग्रामों के किसानों को यदि लौरिया चीनी मिल द्वारा **दादनी/ऋण** दी गयी है तो उसकी सूची सहित विवरण उनके द्वारा बगहा चीनी मिल प्रबंधन को उपलब्ध करायी जायेगी। बगहा चीनी मिल प्रबंधन संबंधित किसानों के ईखापूर्ति से राशि को प्राप्त कर लौरिया चीनी मिल को वापस करेगी।

लेखापित एवं शुद्धित
(गिरिवर दयाल सिंह)
ईखायुक्त, बिहार।

आदेश से,
गिरिवर दयाल सिंह,
ईखायुक्त, बिहार।

पेराई सत्र 2022-23 से पेराई सत्र 2026-27 तक एच.पी.सी.एल. बायोफ्यूल्स लि० इकाई-लौरिया को परम्परागत रूप से आरक्षित 11 ग्रामों की सूची:-

अनुसूची-“क”

जिला का नाम	प्रखण्ड	क्रमांक	ग्राम का नाम	राजस्व थाना संख्या
पंचम्पारण	योगापट्टी	01.	चौदपुर	419
		02.	बहुअतवा	99
		03.	बंगही	49
		04.	लालगढ़	20 / 2
		05.	भटवलिया	358
		06.	खैरटीया मानपुर	422

जिला का नाम	प्रखण्ड	क्रमांक	ग्राम का नाम	राजस्व थाना संख्या
		07.	खैरटिया बलडीहा	421
		08.	बरवासानी	420
		09.	चौवे टोला	414
		10.	बलडिहा	413
		11.	सिसवा वैरागी	416

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
 बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
 बिहार गजट (असाधारण) 619-571+10-डी0टी0पी0।
 Website: <http://egazette.bih.nic.in>